STARCH MANUFACTURING FACTORY IN TRAVANCORE-COCHIN STATE

*25. SHRI N. C. SEKHAR: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Tapioca Enquiry Committee appointed by the Travancore-Cochin Government had recommended starting of a starch manufacturing factory in that State; and

(b) if so, what decision has been taken thereon?

THE MINISTER FOR CONSUMER INDUSTRIES (SHRI N. KANUNGO): (a) The Tapioca Enquiry Committee has recommended that encouragement should be given to the Tapioca Starch Industry.

(b) A starch factory is being opened at Thiruvalla by private enterprise.

SHRI N. C. SEKHAR: May I know whether by this starch factory globules and other such products can be produced for general use also?

SHRI N. KANUNGO: This particular factory is mainly for producing and exporting tapioca starch for industrial purposes.

SHRI N. C. SEKHAR: Are there any plans for producing globules and glucose out of tapioca? It is the general opinion of the public that more people can be employed there in making these things. For that purpose, the Government should take steps to start such a starch factory. Will the hon. Minister consider this request?

SHRI N. KANUNGO: The Travancore-Cochin Government have strongly recommended the project of this factory, because it will consume a large amount of tapioca and also later on, other by-products would be utilised.

SHRI H. C. DASAPPA: What is the capacity of this new plant and to what extent does it meet the requirements of the country?

SHRI N. KANUNGO: The capacity will be somewhere round about 7,000 tons and most of it is expected to be absorbed in the export.

SHRI N. C. SEKHAR: What is the total quantity of tapioca produced in Travancore-Cochin and in Malabar?

SHRI N. KANUNGO: I have no information about it.

* 26, * 27 and * 28. [*The questioners (Shri Govindan Nair and Shri J. V. K. Vallabharao) were absent. For answer,* vide *cols.* 155-56 infra.]

श्री लालशाह बुखारी का कश्मीर सम्बन्धी वक्तव्य

†*२९. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मीरिया स्थित पाकिस्तानी दूत श्री लालशाह बुखारी के उस वक्तव्य की सूचना है जो उन्होंने अपनी १० जून, १९५६ की एक प्रेस कांफ्रेंस में दिया था और जिसमें कहा जाता है कि उन्होंने पाकिस्तान के पूर्ण शक्ति प्राप्त कर लेने पर कश्मीर प्रश्न को लडाई द्वारा तय करने की धमकी दी है और भारत की नीति को विस्तारवादी और साम्राज्यवादी बताया है; और

(ख) यदि हां तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

†[SHRI LALSHAH BOKHARI'S STATEMENT ON KASHMIR

*29. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the statement made by Shri Lalshah Bokhari, Pakistan's Minister to Syria, at a press conference held by him on the 10th June 1956, in which he is said to have threatened to solve the Kashmir issue by force after Pakistan has built up its strength and has characterised India's policy as expansionist and imperialistic one; and

(b) if so, what action Government have taken in the matter?]

† English translation.

वैदेशिक कार्य मंत्री की संसदीय सचिव (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : (क) जी, हां ।

(ख) भारत सरकार ने श्री लालशाह बुखारी द्वारा दिये गये वक्तव्य पर पाकिस्तान सरकार के पास १६ जून, १९५६ को विरोध-पत्र भेजा । पाकिस्तान सरकार का कोई जवाब हमें अभी नही मिला है लेकिन रिपोर्ट है कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा है कि श्री बुखारी की बात गलत छपी है और गलत तरीके से सामने लाई गई है ।

†[THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON): (a) Yes, Sir.

(b) *The Government of India lodged* a protest with the Government of Pakistan on the 16th June 1956, against the statement made by Mr. Lalshah Bokhari. A formal reply from the Government of Pakistan has not been received but a spokesman of the Pakistan Foreign Office is reported to have stated that Mr. Bokhari had been mis-quoted and mis-represented.]

श्री नवाब सिंह चौहान : इस रिपोर्ट का आधार क्या है ? किस प्रकार यह रिपोर्ट प्राप्त हुई है ? यह रिपोर्ट पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय से प्राप्त हुई है या और कहीं से प्राप्त हुई है ?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: Through news agencies.

श्री नवाब सिंह चौहान : जब ये दोनों बातें न्यूज एजेंसी के जरिये से निकली है तो सरकार ने किसको विश्वसनीय माना है और किसको नहीं माना है ?

SHRIMATI LAKSHMI MENON: Naturally Government depended on the report of the Pakistan Foreign Office.

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार ने इस अखबारी खबर पर यकीन कर लिया कि रिपोर्ट अधिकृत है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जब एक बयान उनकी तरफ से निकला कि यह गलत छपा था तो फिर हमारे यकीन या न यकीन करने का कोई सवाल नहीं है । उन्होंने उससे इंकार कर दिया ।

† English translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : मेरे कहने का मतलब यह है कि दोनों चीजें अखबारों में छपी थीं । अधिकृत रूप से आपको कोई चीज प्राप्त नहीं हुई । तो क्या यह बयान यकीन करने के काबिल है कि पाकिस्तान सरकार की तरफ से यह निकाला गया है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : इसमें कोई शक नहीं है कि दूसरा बयान जो था उसके लिये लिखा हुआ था कि वहां के फारेन आफ़िस की तरफ़ से एक स्पोक्समैन ने दिया है । अब कोई दस्तावेज तो इस तरह की हमारे पास नही है लेकिन वह जाहिरा वहां के फारेन आफिस ने निकाला था ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या भारत सरकार का कोई नुमाइंदा दमिश्क में रहता है ? क्या सरकार ने उससे भी इस वक्तव्य के बारे में कुछ जानकारी हासिल करने की कोशिश की है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : कहां रहता है ?

श्री नवाब सिंह चौहान : दमिश्क में, यानी डमास्कस में ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी हां, डमास्कस में हमारे एक राजदूत रहते है लेकिन वह कोई प्रेस करेसपांडेंट तो नहीं हैं कि वह वहां मौजूद रहे हों ।

श्री नवाब सिंह चौहान : यहां के मुकाबिले में वहां के लोगों को इस बारे में ज्यादा ठीक ढंग से मालूम हो सकता है । तो क्या कोई जानकारी उन्होंने इस बारे में हासिल की ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी हां । वह यह तो नही कह सकते, अपने इल्म से, कि लफ्ज ब लफ्ज यह कहा गया । वह तो यही बता सकते थे कि वहां के अखबारों में क्या छपा । इतना ही बता सकते थे कि वहां के अखबारों में कुछ ऐसा छपा था । जैसा कि मैंने कहा, पाकिस्तान गवर्नमेंट के जाब्ते के आफिशियल स्पोक्समैन ने कहा कि यह गलत छपा है और उन्होंने इस किस्म की बात पूरे तौर से नहीं कही थी । क्या कहा था और क्या नहीं, जाहिर है कि कुछ नामुनासिब बातें उन्होंने कही थी और पाकिस्तान गवर्नमेंट खुद उसको बहुत पसन्द नहीं करती है ।

SHRI KISHEN CHAND: The statement of Mr. Bokhari has been printed in the newspapers of Syria and has received publicity. What steps are being taken by our Government to give equal publicity to the denial by the Pakistan Government that that statement is incorrect? If such a step is not taken, the statement of Mr. Bokhari continues to hold the field as far as the newspapers are concerned.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: My own impression is that that statement did not receive much publicity in Syria.

सिंदरी स्थित खाद के कारखाने के लिये पाकिस्तान से खड़िया मिट्टी का आयात

*३०. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सिंदरी स्थित खाद के कारखाने के लिये पाकिस्तान से कितनी खड़िया मिट्टी आयात की जायगी;

(ख) पाकिस्तानी खड़िया मिट्टी का भाव भारतीय खड़िया मिट्टी के मुकाबिले में कितना है; और

(ग) भारत को कितनी खड़िया मिट्टी की आवश्यकता है और अपनी खड़िया मिट्टी की आवश्यकता को देश के ही उत्पादन से पूरा करने के लिये सरकार क्या प्रयत्न कर रही है?

†[IMPORT OF GYPSUM FROM PAKISTAN FOR SINDRI FERTILISER FACTORY

*30. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for PRODUCTION be pleased to state:

(a) the quantity of gypsum to be imported from Pakistan for Sindri Fertilizer Factory;

(b) the price of Pakistani gypsum as compared to that of Indian; and

(c) the quantity of gypsum required by India and the efforts Government are making to fulfil their requirement of gypsum from indigenous production?]

निर्माण आवास तथा संभरण मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : (क) १,५०,००० टन।

(ख) पाकिस्तानी खड़िया मिट्टी की लागत लगभग ४० रुपये फी टन बिल्टीकट (एफ० ओ० आर०) सिंदरी होगी, जब कि सिंदरी में इस्तेमाल की जाने वाली राजस्थान की खड़िया मिट्टी की लागत लगभग ३४ रुपये फी टन बिल्टीकट (एफ० ओ० आर०) सिंदरी है।

(ग) ६,५०,००० टन अमोनियम सल्फेट के लिए, और २,५०,००० टन पोर्टलैण्ड सीमेंट के लिए। देश की लगभग सारी जरूरत देश से ही पूरी हो जाती है। दूसरी पंच-साला प्लान में खड़िया मिट्टी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए मुफ़स्सल जांच-पड़ताल की जा रही है और राजस्थान और सौराष्ट्र के भंडारों का अन्दाजा लगाया जा रहा है। तिरुचिरापल्ली की खड़िया मिट्टी को निकालने के लिए सुधरे हुए तरीकों की जांच भी की जा रही है।

†[THE MINISTER FOR WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SARDAR SWARAN SINGH): (a) 1,50,000 tons.

(b) The cost of Pakistan gypsum will be about Rs. 40 per ton. F. O. R. Sindri, while the average cost of Rajasthan gypsum used at Sindri is about Rs. 34 per ton F. O. R. Sindri.

(c) 6,50,000 tons for the production of ammonium sulphate, and 2,50,000 tons for the production of Portland cement. Almost the entire requirements of the country are met from indigenous sources. In order to increase the production of gypsum during the Second Five Year Plan, detailed investigations and proving of the deposits in Rajasthan and Saurashtra are under way. Improved methods for the working of the Tiruchirapalli deposits are also being examined.]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या यह सच है कि राजस्थान के व्यापार मंडल ने सरकार से यह कहा था कि बाहर से खड़िया मिट्टी मंगाने की आवश्यकता नहीं थी और यदि हमको सरकार सहायता देती तो हम यहां से खड़िया मिट्टी दे सकते थे? क्या यह सत्य है?

सरदार स्वर्ण सिंह : शायद कहा होगा लेकिन मौजूदा हालत यह है कि मौजूदा सप्लाई भी राजस्थान से पूरी नहीं हो रही है। यह फैसला

† English translation.